RAJYA SABHA

Friday, the 19*th December,* 2003/28 *Agrahayana,* 1925 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock,

THE DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

*261. [*The questioner (Shri Abani Roy) was absent. For answer vide page* 29.]

*262. [*The questioner (Shri Bachani Lekhraj) was absent. For answer vide page* 30.]

Report of CRS on fire in Frontier Mail

*263. SHRI K. RAHMAN KHAN:
SHRI RUMANDLA RAAMACHANDRAYYA:††

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the probe conducted by the Commissioner of Railway Safety into the devastating fire in the Frontier Mail on 15th May, 2003 which claimed 36 lives, has blamed the negligence of train staff for the mishap;

(b) if so, what are the details of the probe; and

(c) what action has been taken against the concerned staff?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI BASANGOUDA R. PATIL): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the Sabha.

(a) and (b) Commissioner of Railway Safety, North Eastern Circle, investigated the fire accident involving 2903 Up Golden Temple Mail (earlier

---

†† The question was actually asked on the floor of the House by Shri Rumandla Raamachandrayya.

known as Frontier Mail) on Ludhiana-Amritsar section of Northern Railway on 15.05.2003. He concluded that the most probable cause of the fire that took place in 2903 Up was a bag, lying in sleeper coach (S-4), which contained certain combustible, explosive materials and other compounds capable of spontaneous ignition, with some provision to cause and control the ignition.

CRS fixed the 'primary' responsibility on 'an unidentified person' who either carried or left a bag containing explosive materials in the coach. However, he has also ascribed 'secondary' and 'blameworthy' responsibility on 6 on-board commercial staff for not being vigilant and alert in performance of their duty and not performing specified duties after the accident.

(c) Disciplinary proceedings against the identified staff have been initiated.

श्री रूमान्डला रामचन्द्रय्या: उपसभापति महोदया, मंत्री जी ने जो उत्तर दिए हैं उस बारे में मैं उनसे जानना चाहता हूं कि जो दोषी पाए गए, उनको क्या सजा दी गई?

श्री बसनगौड़ा आर॰ पाटील: उपसभापति महोदया, माननीय सदस्य ने जानना चाहा है कि इस हादसे में जो दोषी पाए गए हैं, उनको क्या सज़ा मिली है। सी॰आर॰एस॰ की रिपोर्ट के अंतर्गत, जिस पर प्राइमरी रिस्पांसिब्लिटी थी, वह अनआइडेंटिफाइड व्यक्ति है। सैकेंडरी रिस्पांसिब्लिटी में संबंधित टी॰टी॰ के ऊपर और ब्लेमवर्थी रिस्पांसिब्लिटी के संबंध में केडक्टर, श्री सुधीर कुमार प्रकाश व हैड टी॰टी॰ इंचार्ज, स्लीपर नं॰ 5 व 6, श्री अजीत कुमार के ऊपर कार्रवाई की गई है। वैसे बलजीत सिंह, हैड टी॰टी॰, श्री स्वरूप दास, टी॰टी॰ और श्री धर्मवीर सिंह, टी॰टी॰ के ऊपर भी कार्रवाई की गई है। Major charge-sheet have been issued against first three officials and the inquiry proceedings are on. They have been placed under suspension immediately after the accident. इतनी तो इनके ऊपर कार्रवाई की गई है।

श्री रूमान्डला रामचन्द्रय्या: उपसभापति महोदया, उत्तर में तो ये तुरंत बता रहे हैं लेकिन 5-6 महीने हो जाने के बाद भी यह कार्रवाई धीरे-धीरे चल रही है। समाज में अगर परिवर्तन होना है तो कार्रवाई जल्दी-जल्दी होनी चाहिए। रेल मंत्री जी, जो काम अधिकारीगण कर रहे हैं वह संतोषजनक नहीं है इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि उसको संतोषजनक बनाने के लिए आप क्या प्लान कर रहे हैं?

उपसभापति: आपकी रेलगाड़ी तेज़ चलनी चाहिए।

श्री संजय निरुपम: ज्यादा तेज़ चलेगी तो ऐक्सीडेंट हो जाएगा।

रेल मंत्री (श्री नीतीश कुमार): उपसभापति महोदया, 15 मई को फ्रंटियर मेल में जो आग लगी थी, जिसमें 36 लोगों की मृत्यु हुई थी, उसके बारे में प्रश्न है। इसके बारे में कमिशनर, रेलवे सेफ्टी ने जांच की और जांच करने के बाद उसने अपनी रिपोर्ट दी है, इसका उत्तर हमने दिया है। इसके बारे में जो सबसे प्रोबेबल कॉज़ उनको लगता है, अगर आप कहें तो मैं उद्धृत करना चाहता हूं कि रेलवे सेफ्टी कमिशनर की इंक्वायरी रिपोर्ट को। Final inquiry report by CRS concluded that "The most probable cause of the fire that took place in 2903 UP was a bag, laying on the upper birth number 22 of S-4 coach which contained certain combustible, explosive materials and other compounds capable of spontaneous ignition, with some provision to cause and control the ignition and these materials ignited as soon as 2903 UP departed from Ludhiana Railway Station." यह समस्या है, इसके बारे में पूरी पुलिस जांच-पड़ताल, जो भी होनी है, वह चल रही है। कमिशनर, रेलवे सेफ्टी ने पाया है, मैं भी स्थल पर गया था उसके बाद और जितनी तेज़ी से आग फैली, वह आश्चर्य पैदा करने वाली बात थी और उसके बाद सी॰आर॰एस॰ इस नतीजे पर पहुंचे। जो हमारे कर्मचारियों पर आरोप है secondary या blameworthy, वह इसलिए है कि घटना के बाद वे वहां से अमृतसर की ओर चल दिए, जब कि उनको वहां रहना चाहिए था। जो घटना घटी थी, उसके बाद उन्हें वहां रहना चाहिए था, लोगों की मदद करनी चाहिए थी। मदद न करके, जब पूरी घटना वहां घट गई तो वहां से वे रफूचक्कर हो गए, इसके चलते उन पर कार्यवाही हो रही है, न कि इस घटना में जो आग लगी है, उसके लिए वे दोषी हैं। दोष तो किसी और का है। इसलिए जो primary responsibility है, वह unidentified person पर डाली गई है। इसके बारे में पुलिस जांच हो रही है। यह एक चिंताजनक बात है। इस प्रकार की घटनाओं की रोकथाम के लिए उपाय होने चाहिए। जहां तक रेलवे का प्रश्न है, रेलवे अपनी तरफ से आग न लगे, इसके लिए fire retardant materials का इस्तेमाल का रही है। हम ऐसे कोचेज का निर्माण कर रहे हैं। अभी रेल कोच फैक्टरी, कपूरथला ने जनरल क्लास का ऐसा कोच बनाया है इंटिग्रल कोच फैक्टरी, चेन्नई ने भी ऐसे कुशन वाला कोच बनाया है जिनमें आग न लगे, न फैले। ये सारे उपाय किए जा रहे हैं लेकिन ये जो घटना है, इसके बारे में हमने कमिशनर, रेलवे सेफ्टी की रिपोर्ट पढ़ दी है। यह रेलवे के हाथ से बाहर वाली बात है। उस पर पुलिस जांच हो रही है। उसके बाद आगे कार्यवाही होगी।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Actually what the Minister is trying to say is that it is a two-fold question. One is that जिस वजह से आग लगी, यह तो मालूम हो गया है। इसके लिए वे precautions ले रहे हैं और दूसरा जो रेलवे अधिकारियों ने अपनी ड्यूटी बराबर नहीं निभाई, that is the second part of the question.

SHRI PREM CHAND GUPTA: Madam, just on the lighter side of it. कल दिल्ली में जो दो खड़ी हुई गाड़ियों में आग लग गई, उसके बारे में मंत्री जी क्या कहेंगे?

श्री नीतीश कुमार: आप पूछेंगे, तब तो हम कहेंगे।

श्री प्रेम गुप्ता: आज कुछ तो बता दीजिए.... (**व्यवधान**)

उपसभापति: मंत्री जी, मैंने प्रशांत चटर्जी को बुला लिया है, वे पूछ लें, तब आप बोल दीजिएगा।

श्री बालकवि बैरागी: मैडम, मैं यह जानना चाहता हूं कि जहां कल आग लगी और जो ऑफिसर्स हैं, वे वहीं रहे कर्तव्य पर, उनको क्या आप पुरस्कृत करेंगे?

उपसभापति: आप इकटठा ही इनका जवाब दे दीजिएगा, जो rightful questioner है, उसके साथ मिला दीजिएगा।

SHRI PRASANTA CHATTERJEE: I have a different question altogether. Thirty-six lives have been lost in this accident, and in different accidents, many lives are lost and some become handicapped also. My question is, in such unfortunate incidents as this the pantry car workers, if there be any, are they treated as passengers on duty?

उपसभापति: मंत्री जी, अब आप तीनों का जवाब दे दीजिए।

श्री नीतीश कुमार: महोदया, जहां तक pantry car workers की बात है, जो भी ट्रेन में सवार है, उसके बारे में वही ट्रीटमेंट होगा। अगर किसी ट्रेन में कोई दुर्घटना घटती है तो उस ट्रेन में कोई भी व्यक्ति सवार हो उसके पास valid ticket मिला या नहीं, जो ट्रेन में सवार है ....(**व्यवधान**)

उपसभापति: वर्कर वगैरह हो तो?

श्री नीतीश कुमार: Pantry car worker उसमें शामिल है। कोई भी ट्रेन में सवार हो, चाहे वह pantry car worker हो, उसे भी वही ट्रीटमेंट दिया जाएगा। इसमें कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। इस बारे में कन्फयूजन एक जमाने में था वह गलतफहमी अब दूर की जा चुकी है। जो भी व्यक्ति ट्रेन में सवार है, उसके साथ वही ट्रीटमेंट किया जाएगा चाहे वह pantry car worker हो या अन्य व्यक्ति हो।

SHRI PRASANTA CHATTERJEE: Would they be treated as passengers on duty?

श्री नीतीश कुमार: जो भी ट्रेन में सवार है अगर गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई है और वह व्यक्ति दुर्घटना से प्रभावित है ....(**व्यवधान**)

SHRI PRASANTA CHATTERJEE: My question is whether they will be treated as passengers on duty or not.

SHRI NITISH KUMAR: This is not only for pantry workers, but also for any other worker.

SHRI PRASANTA CHATTERJEE: So reply is, yes.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Yes.

SHRI PRASANTA CHATTERJEE: Thank You.

श्री नीतीश कुमार: अब यह कहना नहीं चाहिए लेकिन कभी-कभी pantry car जो लगे होते हैं उनमें unauthorised लोग भी हो सकते हैं, मैंने तो उससे beyond जाकर कहा कि जो भी ट्रेन में सवार है, उसको यह मानकर कि ट्रेन में सवार था, दुर्घटना के बाद सारा कंपनसेशन वही दिया जाएगा।

THE DEPUTY CHAIRMAN: I think he is saying ...*(Interrupions)*

SHRI PRASANTA CHATTERJEE: The Minister has replied that they are treated as passengers on duty.

THE DEPUTY CHAIRMAN: What the Minister is saying is that those who travel in the train whether they are passengers with valid ticket or ticketless, or they are all protected under the same rule.

श्री नीतीश कुमार: बाद में उसके पास टिकट है या नहीं, यह कौन देखने जाता है? वह व्यावहारिक समस्या थी, उसको माना जा चुका है।

माननीय सदस्य ने यह सवाल पूछा है और फिर बालकवि बैरागी जी ने भी इसमें जोड़ा है, यह बहुत ही वाजिब प्रश्न उन्होंने उठाया है। दिल्ली में कल कुछ घटना घटी है। कल एक घटना नहीं घटी है, कल दो घटनाएं घटी हैं, इनको मिलाकर के छह घटनाएं घट चुकी हैं। पहली घटना 10 नवम्बर को घटी है, उसके बाद 21 नवम्बर को घटना घटी है, 6 दिसम्बर को घटना घटी है और फिर 18 दिसम्बर को यानी कल घटना घटी है, कुल मिलाकर के चार दिन में ऐसी वारदातें हुई हैं जब यार्ड में गाड़ी खड़ी है और उसमें अचानक आग लग जाती है। आग बहुत जल्दी फैलती है और डिब्बे नष्ट हो जाते हैं। इस तरह की घटनाएं लगातार हो रही हैं। इस पर एहतियाती कार्यवाही की गई है और रेल अधिकारियों के द्वारा सुरक्षा-व्यवस्था सुदृढ़ की जा रही है... (व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: इसके कारण क्या हैं? ...(व्यवधान)...

श्री नीतीश कुमार: मैं कारणों पर अभी आ रहा हूं ...(व्यवधान)... आप मेरी बात नहीं सुन रहे हैं। मैं यही बात रहा हूं कि खड़ी गाड़ी में अचानक आग लगी है। इसके कारण तो पुलिस वाले जांच करके बतायेंगे। आप तो पुलिस अफसर के भाई हैं। क्या ऐसा कोई प्रावधान है कि बगैर जांच के कारण बता दिया जाए? कल भी आग लगी है। कल की घटना के समय जीआरपीएफ के लोग भी मौजूद थे, जैसे ही आग लगी लोग उस तरफ दौड़े, उसकी तरफ काम करने वाले कर्मचारी दौड़े उन्होंने एक आदमी को उसमें से निकल कर भागते हुआ देखा और उसे लोगों ने पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह पकड़ में नहीं आ पाया। अब वहां पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। आप जानते हैं कि यार्ड खुला हुआ है। जो चाहता है वह उसके अगल-बगल से गुजर जाता है लेकिन इस हालात में और ज्यादा प्रबंध किये गये हैं। हमारे रेल मंत्रालय की तरफ से पुलिस से भी अनुरोध किया जा रहा है कि वहां पर सुरक्षा व्यवस्था और सुदृढ़ की जाये। हमारे पास जो रेलवे प्रोटक्शन फोर्स है उसको भी इस कार्य के लिए लगाया है। मैंने कल भी पूरी घटना की समीक्षा की है और आज भी बातचीत की है। हमने यह निर्देश दिया है कि जब गाड़ी से लोग, पैसेंजर उतरकर चले जाते हैं तो उसके बाद सुनिश्चित किया जाए कि डिब्बे बंद हो जायें। जब गाड़ी यार्ड में पहुंचती है तो वहां पर उकी ठीक ढंग से लोग देखें, इसके लिए सारा इंतजाम किया जा रहा है।

उपसभापति महोदया, एक ही किस्म की छह घटनाएं घटी हैं इसलिए यह गहराई से जांच करने का विषय है। कल तो थोड़ा सुराग मिला है। ऐसी उम्मीद है कि पुलिस आगे बढ़कर इसमें जांच करेगी और हमारे रेलकर्मी भी और चौकसी बरतेंगे।

श्री प्रेम गुप्ता: उपसभापति महोदय, मंत्री जी ने कहा है कि एक आदमी भागता हुआ देखा गया। आपकी रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स वहां पर है, दिल्ली पुलिस भी है क्या वह एक आदमी को भी नहीं पकड़ सकी और नहीं एक्शन ले सकी, यह बात तो समझ में आने वाली नहीं है। इतने एक्सीडेंट हुये हैं। आज तक जितनी रिपोर्ट्स आई हैं क्या उन पर ऐसा कोई एक्शन लिया गया है जो एक एक्जाम्पलरी हो और जिससे आगे से एक्सीडेंट न हो?

ऐसा लगता है कि भूत-प्रेत का प्रभाव रेलवे के ऊपर हो गया है और आप कुछ नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए अच्छा है कि आप इसके लिए पूजापाठ करवाइये और वह भगवान भरोसे ही ठीक हो जायेगा।

श्री नीतीश कुमार: उपसभापति महोदया, आजकल पूजापाठ पर इनका ध्यान ज्यादा है। इनका पूजापाठ पर इतना ध्यान है कि इन्होंने हमारे एक मित्र को भी पूजापाठ में लगा दिया है। जो पैसे वाले लोग यहां चले आते हैं ये कभी कभी कुछ ऐसा करते हैं कि गरीब घर से निकले हुये आदमी को भी गलत रास्ते पर पहुंचा देते हैं। यह पूजापाठ से ही थोड़े ठीक होने वाला है। चौकसी बरतिए और जो गुंडा-गर्दी कर रहा है उसको पकड़िए। ....(व्यवधान)...

श्री प्रेम गुप्ता: मैडम, पैसे वाला आदमी कोई चोर, डाकू नहीं होता है। पैसे वाला आदमी अगर अपनी मेहनत से पैसा कमाता है, You must appreciate that.

श्री अमर सिंह: उपसभापति महोदया, माननीय मंत्री जी का हर पैसे वाले पर यह आरोप लगाना ठीक नहीं है। ...(व्यवधान)...

श्री नीतीश कुमार: उपसभापति महोदया,प्रेम गुप्ता जी के साथ हमारा कुछ ऐसा संबंध है कि हमने ऐसा बोल दिया। उन्होंने भी रेल मंत्री से नहीं पूछा, नीतिश जी से पूछा है इसीलिए हमने बताया, चाहे तो आप रिकार्ड में देख लीजिए। उन्होंने मेरा नाम लेकर ही बोला है इसलिए हमने भी लिबर्टी ले ली।

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Madam, I am sorry to intervene. We are discussing an issue, which cost 26 lives, as the Railway Minister has said. Let us not have such an atmosphere in the House which probably gives a feeling that we are trivialising the issue. I mean, we are discussing the main question, which cost 26 lives. And it is also a fact, as the Railway Minister has indicated, that it has been caused by some unidentified person for unidentified reasons. The main thing before the Railway Minister is that whether such things can be prevented and that such things do not happen in future. That is the most important thing, and what precautionary measured are proposed to be taken by the Railway Minister. The Railway Minister has said that he is trying to design certain coaches which do not get inflammable. But that will be a very long-term planning. There will be some pilot coaches and that would be used in some very prestigious trains, like the Rajdhani Express and all that. But before that, whether some short-term measures can be taken to ensure that these things do not happen. If it is beyond view. भाग गया, पुलिस वाला पकड़ रहा है। रेल से कोई मतलब नहीं है, I would like to know from the Railway Minister whether are any short-term plans to see that such fire incidents do not happen in passenger trains in future.

श्री नीतीश कुमार: उपसभापति महोदया, इसके लिए व्यापक प्रबंध किये जा रहे हैं। रेलगाड़ियों में आग की घटनाओं को रोकने के लिए, कम करने के लिए, उन पर काबू पाने के लिए लॉंग टर्म एवं शॉर्ट टर्म, दोनों तरह की स्ट्रेटजी अपनायी गयी है। हमने जो कारपोरेट सेफ्टी प्लान बनाया है, उसमें भी खास तौर से इस मामले का जिक्र करते हुए इसके बारे में एक प्लान बनाने की बात कही है और यह कहा है कि हम हर हालत में फायर इंसीडेंट्स को रिडयूस करेंगे। अभी तक इंडियन रेलवे में जो फायर के इंसीडेंट्स हो रहे हैं, वे टोटल ऐक्सीडेंट्स का दो प्रतिशत है लेकिन डेमेज बहुत ज्यादा

होता है इसलिए कुल मिलाकर जितने फायर के ऐक्सीडेंट्स हो रहे हैं, उनको रोकना चाहिए। पहले फायर के ऐक्सीडेंट्स ज्यादा होते थे, अब घट रहे हैं। उसके पीछे कारण यह है कि पहले का जो कोचिज का डिज़ाइन था। वे वूडन बॉडिड होते थे, बाद में स्टील बॉडिड आए। फिर फायर रीटार्डेंट मैटीरियल्स का इस्तेमाल किया गया जैसे अपहोलस्ट्री हैं, कर्टेन्स हैं, वे सब ऐसे इस्तेमाल कर रहे हैं ताकि उसमें आसानी से आग न पकड़े। बिल्कुल फायर प्रूफ तो नहीं हो सकता है लेकिन बहुत हद तक फायर रिटार्डेंट कोचिज़ हम बना रहे हैं और उसका पहला प्रोटो-टाइप बनाया गया, जिसकी हमने घोषणा की थी। प्रोटो-टाइप रेल कोच फैक्ट्री ने बनाया है, वह जनरल क्लास का बनाया है। कुशन रहित जो जनरल क्लास का डिब्बा है, वह उन्होंने बनाया है। मैंने खुद डेमोन्सट्रेशन में देखा है। आग लगाने पर भी आग नहीं लगी। फिर उसी प्रकार से इंटीग्रल कोच फैक्ट्री ने दो डिब्बों का निर्माण किया है, वे कुशन वाले हैं। इस प्रकार से प्रोटो-टाइप बनाकर उसको हम यूज़ में लाएंगे और जब हम देख लेंगे कि ये ठीक हैं, उसके बाद बड़े पैमाने पर उसके स्पैसिफिक फीचर्स को लेकर उसी प्रकार के कोचिज़ को डिज़ाइन करके हम उनकी मैनुफैक्चरिंग करेंगे। इस प्रकार एक नहीं अनेक कदम उठाए गए हैं। खासकर लुधियाना पर प्रश्न है। इसकी रिपोर्ट ऐसी आयी है जिस पर रेलवे के बाहर जाकर भी लोगों को सोचना है ताकि इस प्रकार की घटना न हो-जो सीआरएस ने पाया है। फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स ने उसकी जांच की है। जिस प्रकार से एक रोज वहां पर लोग जांच पड़ताल कर रहे थे उसी बीच जो मलबा था, उसमें फिर से आग फैली थी। इस प्रकार कई ऐसी बातें हुई थीं जिनके चलते इसमें इनडैप्थ ऐनालीसिज़ की जरूरत है। कमिश्नर रेलवे सेफ्टी का जितना डोमेन था, उन्होंने देखकर बताया है। बाकी अन्य एक्सपर्ट्स इस काम को कर रहे हैं। जहां तक रेलवे की तरफ से है-चाहे यार्ड में हो, ट्रेन में हो, ऐहतियात बरतना, हर तरह का प्रबंध करना- ये उपाय किए जा रहे हैं। शॉर्ट टर्म, लॉंग टर्म, मीडियम टर्म हर तरह से अटैम्प्ट है। कारपोरेट सेफ्टी प्लान में हमारा लक्ष्य है कि हर हालत में जो टोटल फायर इंसीडेंट्स हैं, उनमें हमें 80 प्रतिशत की कम से कम कमी लानी है क्योंकि 20 प्रतिशत तो फिर भी रहेगा। चूंकि ट्रेन का जो बेयर सैल है या कोच है, उसका जितना एरिया है, उसका जितना वाल्यूम है, उससे ज्यादा सामान है, लोग होते हैं तो लोगों की गलती है। इसलिए उनको भी सैंसीटाइज़ करने के लिए व्यापक प्रबंध किए जा रहे हैं ताकि कोई इनफ्लेमेबल मैटीरियल लेकर न जा पाए। अभी एक महीने तक लगातार लुधियाना फायर इंसीडेंट्स के बाद हमने ड्राइव चलाया कि कोई इस प्रकार की चीज़ लेकर ट्रेवल न कर सके।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Shri Natwar Singh.

SHRI K. NATWAR SINGH: Madam, I am satisfied with the answer.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You don't want to ask anything. Shri Datta Meghe.

SHRI DATTA MEGHE: I don't want to ask a question.

उपसभापति: मंत्री जी ने विस्तार से जवाब दे दिया है।